आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 130 | उज्जैन, गुरुवार 03 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री गडकरी का जताया आभार

मध्यप्रदेश को मिली 4 सड़क परियोजनाओं की सौगात, औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को 4 सड़क परियोजनाओं की मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश को सड़क अधोसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से मध्यप्रदेश को सड़क अधोसंरचना निर्माण और क्षेत्रीय विकास में एक बड़ी सौगात दी गई है। उन्होंने कहा कि ये सड़कें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी और औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने बुधवार को मध्यप्रदेश के लिए 4 महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 4302.93 करोड़ रुपये है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर मध्यप्रदेश को मंजूर की गई इन परियोजनाओं की जानकारी साझा की है।

केन्द्र सरकार के इस अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा जताई है कि ये सड़क परियोजनाएं प्रदेश में यातायात व्यवस्था को सहज एवं सुगम बनाने के साथ आर्थिक विकास को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि देश में सड़क अधोसंरचना नेटवर्क को दिनों-दिन मजबूत किया जा रहा है और मध्यप्रदेश को भी इसका भरपूर लाभ मिल रहा है।

केन्द्र सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के लिए स्वीकृत की गई सड़क परियोजनाएं भोपाल जिले में संदलपुर से नसरुल्लागंज बायपास तक (राष्ट्रीय राजमार्ग-146बी) के 43.200 किमी खंड को 4-लेन में बदलने के लिए 1535.66 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है।

देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विधेयक को संसद की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद ने देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विधेयक को मंजूरी दे दी है। गुजरात के आणंद में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय स्थापित करने संबंधी विधेयक को राज्यसभा ने मंगलवार को ध्वनिमत से पारित किया। यह विधेयक लोकसभा से 26 मार्च को पारित हो चुका है।

विश्वविद्यालय का इनके नाम पर रखा- विश्वविद्यालय का नाम त्रिभुवनदास किशिभाई पटेल के नाम पर रखा गया है, जो भारत में सहकारी आंदोलन के अग्रदूतों में से एक थे और अमूल की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि यह सहकारी क्षेत्र के लिए पहला विश्वविद्यालय होगा और इस क्षेत्र में कार्यरत श्रमबल के क्षमता निर्माण तथा कुशल पेशेवरों की आवश्यकता को पूरा करेगा।

प्रतिवर्ष लगभग आठ लाख प्रशिक्षित प्रोफेशनल तैयार होंगे

त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक का उद्देश्य सहकारी क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण देना, क्षमता निर्माण करना, डिग्री कार्यक्रम, दूरस्थ शिक्षा और ई-लर्निंग पाठ्यक्रम वाले उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना और प्रतिवर्ष लगभग आठ लाख प्रशिक्षित प्रोफेशनल तैयार करना है।

अदालतों के पास ब्याज दर तय करने का अधिकार, सुप्रीम कोर्ट ने कराया 52 साल लंबी कानूनी लड़ाई का खात्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अदालतों को ब्याज दर तय करने और यह कब से देय होगा तय करने का अधिकार है। यह अधिकार हर मामले के तथ्यों पर निर्भर करता है कि ब्याज मुकदमा दायर करने की तारीख, या इससे पहले या डिक्री की तिथि से देय होगा।

52 साल लंबी कानूनी लड़ाई का हुआ खात्मा- जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी 52 साल लंबी कानूनी लड़ाई का खात्मा करने के दौरान आदेश में की, जिसमें राजस्थान सरकार बनाम आइके मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड समेत निजी पक्षों के बीच राज्य सरकार को दिए गए शेयर के मूल्यांकन पर विवाद था।

लागू ब्याज दरों को भी संशोधित किया- पीठ ने शेयरों के मूल्य को लेकर भुगतान में की गई देरी पर लागू ब्याज दरों को भी संशोधित किया। 32 पन्नों के फैसले में जस्टिस महादेवन ने कहा यह पूरी तरह साफ है कि अदालतों के पास कानून के अनुसार सभी तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए उचित ब्याज दर निर्धारित करने का अधिकार है।

विपक्ष के सवाल पर लोकसभा में बोले गृह मंत्री अमित शाह, जेपीसी ने नहीं... सरकार ने कानून में बदलाव को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार दोपहर को लोकसभा में दूसरी बार वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। सदन में विधेयक पर कुल आठ घंटे की चर्चा होगी। बहस की शुरुआत रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के सांसद एनके रामचंद्रन के सवाल से शुरू हुई।

आरएसपी सांसद ने समिति के अधिकार पर उठाए सवाल- रिजिजू के भाषण से पहले विपक्षी दलों ने संयुक्त संसदीय समिति के अधिकार पर सवाल उठाए। इसी समिति को विधेयक क समीक्षा करने का काम सौंपा गया था। आरएसपी के एनके रामचंद्रन ने कहा कि नियमों की व्याख्या के अनुसार, जिस समिति को विधेयक का अध्ययन करना था, उसे मसौदे में बदलाव नहीं करने चाहिए थे, क्योंकि उसे सदन ने ऐसा करने के लिए स्पष्ट रूप से अधिकृत नहीं किया था। रामचंद्रन उन 14 बदलावों का जिक्र करने में जुटे थे। जिन्हें फरवरी महीने में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी।

गृह मंत्री ने आरोपों का किया खंडन- रामचंद्रन के आरोपों का केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खंडन किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति ने सिर्फ सुझाव दिए थे। बाद में इन्हें केंद्र सरकार ने स्वीकार किया और प्रस्तावित कानून में शामिल किया है। न कि समिति ने ऐसा किया। गृह मंत्री शाह ने कांग्रेस पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस शासन की तरह हमारी वक्फ विधेयक समिति कोई रबर स्टांप समिति नहीं है। हमारी समितियां परामर्शदात्री हैं।

मणिपुर में पीएम-किसान योजना में अनियमितताएं सामने आईं...

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने मंगलवार को लोकसभा में अपने लिखित उत्तर में कहा कि एक ऑडिट रिपोर्ट में मणिपुर में पीएम-किसान योजना के कार्यान्वयन में कुछ अनियमितताएं सामने आई हैं और राज्य सरकार ने इस मामले में एफआइआर दर्ज कराई है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अयोग्य किसानों को हस्तांतरित की गई किसी भी राशि की वसूली करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा, मणिपुर सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, महालेखाकार (एजी) ऑडिट रिपोर्ट में कुछ अनियमितताओं की सूचना दी गई थी। तदनुसार, राज्य ने मामले में एफआइआर दर्ज कराई है। फरवरी, 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान योजना एक केंद्रीय योजना है जिसका उद्देश्य खेती योग्य भूमि वाले किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना है। अंतरण (डीबीटी) मोड के माध्यम से आधार से जुड़े बैंक खातों में तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये का वित्तीय लाभ हस्तांतरित किया जाता है। मंत्री ने कहा कि केंद्र ने शुरुआत से अब तक 19 किस्तों के माध्यम से 3.68 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया है। रामनाथ ठाकुर ने यह भी कहा कि खाद्य सुरक्षा नियामक (एफएसएसएआइ) को चेन्नई के बाजारों में प्रतिबंधित चीनी लहसुन की बिक्री के बारे में शिकायतें मिली हैं और उसने तमिलनाडु सरकार को इस मामले की जांच करने का निर्देश दिया है।

कुणाल कामरा को राहत, तमिलनाडु की अदालत से मिली ट्रांजिट अग्रिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमेडियन कुणाल कामरा को तमिलनाडु की एक कोर्ट से राहत मिल गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर किए गए एक मजाक के कारण कानूनी मामले झेल रहे कामरा को तमिलनाडु के वनूर में जिला मुंसिफ-सह-न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी है।

कुणाल कामरा ने मंगलवार को मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी गई थी, जो उस क्षेत्राधिकार से अलग क्षेत्राधिकार में गिरफ्तारी से अस्थायी सुरक्षा प्रदान करती है।

PM मोदी और नेतन्याहू का दिखा Ghibli अंदाज, दोनों देशों के दूतावास ने शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। OpenAI के ChatGPT 4o में Ghibli स्टाइल की इमेज जेनरेशन फीचर की चर्चा दुनियाभर में हो रही है। सोशल मीडिया पर लोग अपनी साधारण तस्वीरों को ड्रीम-लाइक एनीमे पोर्ट्रेट्स में बदलकर शेयर कर रहे हैं। सेलिब्रिटीज से लेकर देश के राजनेताओं ने Ghibli फीचर का इस्तेमाल किया।

इसी बीच भारत में इजरायली दूतावास ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके इजरायली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू की ढ्ढ तस्वीरें साझा की हैं।

X पर तस्वीर साझा करते हुए, भारत में इजरायली दूतावास ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी और बेंजामिन नेतन्याहू की दोस्ती की घिबली कहानी। इसके जवाब में इजरायल में भारतीय दूतावास ने पीएम मोदी और नेतन्याहू की एक तस्वीर साझा की, जिसमें दोनों नेता जीप में सवारी का आनंद लेते हुए दिखाई दिए। एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए, इजरायल में भारतीय दूतावास ने कहा, भारत-इजरायल की दोस्ती को आगे बढ़ाना। क्या है गिबली स्टूडियो की कहानी?

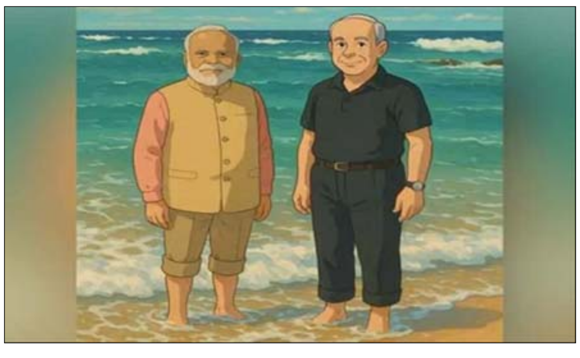

Studio Ghibli एक जापानी एनीमेशन फिल्म स्टूडियो है जिसे 1985 में हयाओ मियाजा की, इसाओ तकाहाता और तोशियो सुजुकी ने मिलकर शुरू किया था। कंपनी हाथ से बनाई गई पेंटिंग्स की मदद से हाई-क्वालिटी एनीमेशन फिल्में क्रिएट करने के लिए जानी जाती है। इसकी फिल्मों की खासियत होती है खूबसूरत, ड्रीम-लाइक एनीमेशन, जो किसी परीकथा जैसी लगती है।

चैटजीपीटी का सर्वर हुआ डाउन

भारत समेत पूरी दुनिया गिबली का दीवानापन सिर चढ़कर बोल रहा है। इतनी बड़ी तादा में लोगं गिबली फीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं कि रविवार को OpenAI का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल चैटजीपीटी डाउन हो गया। ChatGPT के फ्री वर्जन वाले यूजर्स अब रोज सिर्फ 3 इमेज ही जनरेट कर सकेंगे। पेड यूजर्स पर भी कुछ रिस्ट्रिक्शन लागू हो सकते हैं, लेकिन OpenAI ने कहा कि यह टेम्परेरी है। अल्टमैन ने बताया कि नए इमेज जनरेटर की वजह से सर्वर पर भारी दबाव पड़ा है। उन्होंने कहा हमारे GPU (ग्राफिक्स चिप्स) मेल्ट हो रहे हैं।

पाकिस्तान में महंगाई की मार, प्याज- टमाटर, चिकन सब हुआ महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में महंगाई को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। महंगाई की मार से दुकानदार और खरीदार दोनों परेशान हैं, रमजान खत्म हो गए लेकिन सामान के दाम में कटौती नहीं हुई है। मुर्गी का बगैर हड्डी का गोश्त बढ़कर 1200 रुपए हो गया। वहीं टमाटर 60 से बढ़कर 180 रुपए किलो हो गए।

सरकारी रेट की बजाए चीनी 170 से बढ़कर 180 रुपए किलो में बेची जा रही है। जिंदा मुर्गी 490 रुपए, प्याज 40 से बढ़कर 60 रुपए किलो वहीं अचार की मिर्च 110 से बढ़कर 200 रुपए किलो में बेची जा रही है। नींबू के दाम में भारी इजाफा हुआ है। साथ ही फलों के दाम में भी कटौती नहीं हुई है, सेब 400 रुपए किलो और केला 200 रुपए दर्जन में बेचा जा रहा है।

रमजान में कितनी थी नॉनवेज की कीमत- रमजान शुरू होते ही कराची में ब्रायलर चिकन की कीमत में 120 से 150 रुपये प्रति किलो का उछाल आया था। इसी के साथ ब्रायलर चिकन की कीमत बढ़कर 720 से 800 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलो हो गई थी।

LPG के दाम भी बढ़े - इस बीच एलपीजी की कीमत में भी कल बढ़ोतरी का एलान किया गया था। LPG की कीमत में 54 पैसे प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। तेल, गैस और नियामक प्राधिकरण (ओजीआरए) द्वारा जारी एक अधिसूचना में बताया गया है कि पाकिस्तान में लिक्विड पेट्रोलियम गैस की नई कीमत 1 अप्रैल से प्रभावी होकर 248.37 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित की गई है। 11.8 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 6.40 पाकिस्तानी रुपये की वृद्धि हुई है, जिससे नई कीमत 2,930.71 पाकिस्तानी रुपये हो गई है।

क्या कर रही पाकिस्तान सरकार- चिकन की कीमत पर कंट्रोल बनाए रखने के लिए पाकिस्तानी सरकार ने इसकी कीमत तय की है, लेकिन इसका असर नहीं दिख रहा है। पाकिस्तान के कई शहरों की फुटकर मार्केट में सरकारी आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। दुकानदार सरकारी कीमत के मुकाबले काफी महंगा चिकन बेच रहे हैं।

वहीं रमजान में चिकन की मांग में काफी तेजी आई थी। बताया जा रहा था चिकन की मांग 40 फीसदी तक बढ़ गई थी। इसी के चलते इसकी कीमत भी बढ़ गई है।

पुतिन ने ट्रंप को दिया झटका, रूस को यूक्रेन पर अमेरिका का मौजूदा प्रस्ताव मंजूर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस ने कहा है कि वह यूक्रेन युद्ध खत्म करने को लेकर अमेरिका के मौजूदा प्रस्ताव को मंजूर नहीं कर सकता है, क्योंकि इसमें मास्को की चिंताओं का समाधान नहीं है। इससे जाहिर होता है कि युद्ध समाप्त कराने के प्रयास में अमेरिका और रूस के बीच वार्ता अटक गई है।

रूस के उप विदेश मंत्री ने कही ये बात- रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की चिंताओं को दूर करने में अब तक मॉस्को और वाशिंगटन असमर्थ रहे। मौजूदा स्वरूप में जो प्रस्ताव है, उस पर अभी तक मॉस्को आगे नहीं बढ़ पाया है। अमेरिका-रूस संबंधों के विशेषज्ञ सर्गेई ने रूसी पत्रिका इंटरनेशनल

अफेयर्स को दिए एक इंटरव्यू में यह बात कही। इसे मंगलवार को जारी किया गया।

यूक्रेन नाटो में शामिल होने की मंशा छोड़ दे- उन्होंने कहा, हम अमेरिका की ओर से प्रस्तावित मॉडलों और समाधानों को काफी गंभीरता से लेते हैं, लेकिन इसे मौजूदा स्वरूप में स्वीकार नहीं कर सकते। पुतिन कह चुके हैं कि यूक्रेन नाटो में शामिल होने की अपनी महत्वाकांक्षा को छोड़ दे, यूक्रेनी सेना का आकार सीमित किया जाए और रूस को उन चार यूक्रेनी क्षेत्रों पर नियंत्रण मिले, जिन पर उसने दावा किया है। जबकि यूक्रेन का कहना है कि ये मांगें उसके लिए आत्मसमर्पण के समान हैं।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं, लेकिन पुतिन की भूमिका से खिन्न हैं। अगर रूस, यूक्रेन में युद्धविराम लागू करने के लिए आगे नहीं बढ़ता है तो वह उसके खिलाफ टैरिफ का एलान करेंगे।

खनिज समझौते अमेरिका के साथ काम करेगा यूक्रेन- यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने मंगलवार को कहा कि उनका देश एक ऐसे खनिज समझौते के लिए अमेरिका के साथ काम करेगा, जो पारस्परिक रूप से स्वीकार्य हो। उन्होंने कीव में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि खनिज समझौते को लेकर एक नए मसौदा पर एक दौर का विचार-विमर्श हो चुका है। यह प्रक्रिया जारी रहेगी और हम अपने अमेरिकी साथियों के साथ मिलकर काम करेंगे।

गाजा में और अंदर घुसेगी इजरायली सेना, उधर अल-अक्सा मस्जिद पहुंचे नेतन्याहू के मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिनों हमास के खिलाफ नया मोर्चा खोलने के बाद इजरायल ने गाजा में भारी तबाही मचाई है। एक ही दिन 400 से ज्यादा फिलिस्तीनियों को मौत के घाट उतारने के बाद इजरायली सेना ने गाजा में जमीनी कार्रवाई शुरू कर दी है। बीते सप्ताह इजरायली सेना ने गजावासियों को उत्तरी गाजा को खाली करने का अल्टीमेटम भी दे दिया है। संघर्षविराम समझौता टूटने के बाद से इजरायली सेना और आक्रामक नजर आ रही है। इजराइल ने बुधवार को गाजा में अपने सैन्य अभियानों को और विस्तार देने की घोषणा की है।

इजरायली सेना ने ऐलान किया है कि गाजा के बड़े हिस्से पर नियंत्रण करने की योजना तैयार है। सेना ने यह भी कहा है कि इसके लिए गाजा की बड़ी आबादी को इन क्षेत्रों से निकालने की प्रकिया शुरू की जाएगी। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उन क्षेत्रों से लोगों को हटाया जाएगा जहां जंग चल रही है। रक्षा मंत्री ने कहा, ÷यह अभियान हमास को यहां से उखाड़ फेंकेगा। सेना बड़े हिस्से पर कब्जा करेगी जिन्हें इजराइल के सुरक्षा क्षेत्रों में जोड़ा जाएगा। इस दौरान उन्होंने गाजावासियों से हमास को खत्म करने और उनसे बंधकों को रिहा करने की अपील करने का कहा है।

रेसिप्रोकल टैक्स पर टीम ट्रंप क्यों दो फाड़, कौन हैं वो टैरिफ मैन जिन पर साथी ही ठीकरा फोड़ने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से दुनियाभर के कई देशों पर रेसिप्रोकल टैक्स लगाने का ऐलान किया है। इस दिन को मुक्ति दिवस (लिबरेशन डे) के रूप में भी प्रचारित किया जा रहा है और कहा जा रहा है कि अब जवाबी शुल्क लगाकर अमेरिका व्यापार और कराधान के मामले में मुक्त हो जाएगा। ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि ऐसा टैरिफ लगा कर अमेरिका अपने व्यापार घाटा को कम कर सकेगा। हालांकि, उन्हीं की सरकार में कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें इस बात का संशय है कि यह कदम कहीं उलटा दांव साबित न हो जाए। ये लोग ट्रंप सरकार के ही एक मंत्री पर अपनी खीझ निकाल रहे हैं।

दरअसल, अमेरिका के वाणिज्य सचिव यानी कॉमर्स मिनिस्टर को विवादास्पद लिबरेशन डे टैरिफ का वास्तुकार और उस टैरिफ का मुखर वक्ता कहा जा रहा है। उन्होंने ही राष्ट्रपति ट्रंप के सामने ऐसा प्रस्ताव दिया और इन उपायों को अमेरिकी बजट को संतुलित करने और व्यापार घाटे को कम करने के लिए जरूरी बताया है। टीम ट्रंप के कुछ लोग उन्हें जहां इस मामले में एक प्रमुख रणनीतिकार मान रहे हैं, वहीं कुछ लोग उन्हें एक चिंता के रूप में देखने लगे हैं।

भारत ने निकाली ड्रैगन की हेकड़ी, क्यों परेशान हो रहा चीन? अब बढ़ा रहा दोस्ती का हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने भारत से आयात बढ़ाने की बात तकरीबन छह वर्षों बाद फिर कही है। चीन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार देश है, लेकिन व्यापार घाटा लगातार चीन के पक्ष में बढ़ता जा रहा है।

ऐसे में चीन की तरफ से दिया गया यह आश्वासन महत्वपूर्ण है। चीन के नई दिल्ली स्थित राजदूत शु फीहोंग ने चीन के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल को दिए गए साक्षात्कार में यह बात कही है।

चीनी कंपनियों के लिए उपलब्ध कराएं समान अवसर- भारत और चीन के कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक अप्रैल को चीन के समाचार पत्र में दिए साक्षात्कार में फीहोंग ने भारत सरकार से यह भी कहा कि चीन की कंपनियों के लिए भारत में समान अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय रिश्तों की वकालत करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों के साथ ही एशिया और पूरी दुनिया को फायदा होगा।

चीन रहा भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार- फीहोंग ने कहा, 2024 में चीन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार रहा। दोनों देशों के बीच 131.48 अरब डालर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ था। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि पहली बार इस अवधि में कारोबारी घाटा 100 अरब डालर को पार कर गया है। यह कारोबारी घाटा चीन के पक्ष में है।

म्यांमार में फिर लगे भूकंप के झटके, चार दिन से बचाव अभियान जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूकंप से तबाह हुए म्यांमार में एक बार फिर से भूकंप के झटके लगे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार म्यांमार में दो बार भूकंप आया जिसकी तीव्रता 4.7 और 4.5 रही। एनसीएस के अनुसार, पहला झटका 4.7 तीव्रता का था, जो 16ः31 (स्थानीय समयानुसार) पर आया। वहीं, दूसरा भूकंप, जिसकी तीव्रता 4.5 थी, शाम को 20ः57 (स्थानीय समयानुसार) पर आया।

म्यांमार में अब तक 2,000 से अधिक लोगों मारे गए

म्यांमार में अब तक 2,000 से अधिक लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। सीएनएन ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि भूकंप के कारण बुनियादी ढांचे को व्यापक क्षति हुई है। भूकंप का केंद्र म्यांमार के मध्य सागाइंग क्षेत्र में दर्ज किया गया, जो पूर्व शाही राजधानी मांडले के पास है। भारत ने भूकंप से प्रभावित म्यांमार की सहायता के लिए शनिवार को ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया।

भारत ने 28 मार्च को म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप के बाद खोज और बचाव (एसएआर), मानवीय सहायता, आपदा राहत और चिकित्सा सहायता सहित आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया।

बेरूत में कहर बरपा रही इजरायली सेना, हवाई हमले में हिजबुल्ला कमांडर समेत चार आतंकी ढेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत के एक उपनगर में हवाई हमला किया, जिसमें हिजबुल्ला का एक कमांडर समेत चार लोग मारे गए। लेबनान के एक सुरक्षा अधिकारी ने मंगलवार को हमले की जानकारी दी। इस ताजा हमले से इजरायल और ईरान समर्थित हिजबुल्ला के बीच युद्धविराम खतरे में पड़ गया है।

इजरायली सेना ने जारी किया बयान- इजरायली सेना ने कहा कि हसन बदीर हिजबुल्ला की एक इकाई और ईरान के कुद्स बल का सदस्य था। उसने इजरायली नागरिकों के खिलाफ हमले की साजिश रचने में हमास की मदद की थी।

इधर, हिजबुल्ला ने भी हसन और उसके बेटे के मारे जाने की पुष्टि की है। उसका बेटा भी हिजबुल्ला का सदस्य था। जबकि लेबनान के एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि हसन मध्यम श्रेणी का कमांडर था।

लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हवाई हमले में एक महिला समेत चार लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। हिजबुल्ला के नियंत्रण वाले बेरूत के उपनगर में पांच दिनों में दूसरी बार इजरायल ने हवाई हमला किया है।

इजरायली हमले में पत्रकार की मौत- इजरायल के हवाई हमले में गाजा में एक फलस्तीनी पत्रकार, उसकी पत्नी और बच्चों की मौत हो गई। मोहम्मद सलाह हमास से संबद्ध अक्सा रेडियो से जुड़ा था।

वक्फ बोर्ड की घट जाएगी शक्ति! अभी कितनी हैं संपत्ति...

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याणा मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में दूसरी बार वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पेश किया। विधेयक पर कुल आठ घंटे चर्चा होगी। अगर यह लोकसभा में पारित होता है तो गुरुवार को इसे राज्यसभा में पेश किया जा सकता है। बिल के समर्थन में सरकार का कहना है कि इससे जवाबदेही तय होगी। वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता आएगी। विपक्षी दल इसे संविधान के खिलाफ बताने में जुटे हैं।

वक्फ क्या है- वक्फ अरबी का शब्द है। इसक मतलब खुदा के नाम पर दी जाने वाली वस्तु या संपत्ति है। इसे परोपकार के उद्देश्य से दान किया जाता है। कोई भी मुस्लिम अपनी चल और अचल संपत्ति को वक्फ कर सकता है। अगर कोई भी संपत्ति एक भी बार वक्फ घोषित हो गई तो दोबारा उसे गैर-वक्फ संपत्ति नहीं बनाया जा सकता है।

पहली बार कब बना वक्फ एक्ट- देश में पहला वक्फ अधिनियम 1954 में बनाया गया था। इसी के तहत वक्फ बोर्ड का गठन किया गया था। इसका मकसद वक्फ के कामकाज को सरल बनाना है। 1955 में पहला संशोधन किया गया। 1995 में नया वक्फ कानून बनाया गया। इसके तहत राज्यों को वक्फ बोर्ड गठन की शक्ति दी गई। साल 2013 में संशोधन किया गया और धारा 40 जोड़ी गई।

देशभर में वक्फ बोर्ड के पास कितनी संपत्ति- देशभर में सबसे अधिक जमीन भारतीय रेलवे और सशस्त्रबलों के पास है। संपत्ति के मामले में वक्फ बोर्ड तीसरे नंबर पर आता है। उसके पास आठ लाख एकड़ से अधिक जमीन है।

अब ज्यादा गर्मी नहीं झेल पाएगा इंसान का शरीर, कब बढ़ेगा खतरा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में इस वक्त मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। जल्द ही लोगों को भयंकर गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। अब रिसर्चर ने गर्मी को लेकर अलर्ट किया है, उन्होंने कहा है कि मनुष्यों में पहले की तुलना में अत्यधिक गर्मी सहने की सीमा कम हो सकती है।

यह जानकारी दुनिया में मनुष्यों की अत्यधिक गर्मी को झेलने की सीमाओं को समझने में मदद कर सकती है। एक रिसर्च के परिणाम से उन्होंने कहा कि यह शहरों को गर्म दुनिया में गर्मियों के लिए तैयार होने में मदद कर सकता है।

ओटावा विश्वविद्यालय की टीम ने की रिसर्च- कनाडा के ओटावा विश्वविद्यालय में गर्मी को लेकर एक एक्सपेरिमेंट किया गया। कनाडा के ओटावा विश्वविद्यालय की टीम ने 12 स्वयंसेवकों को अत्यधिक गर्मी और ह्यूमिडिटी के संपर्क में रखा, ताकि उस बिंदु की पहचान की जा सके, जिस पर धर्मौरेग्यूलेशन में कैसे कोई व्यक्ति स्थिर शरीर का तापमान बनाए रखने में सक्षम होता है।

प्रतिभागियों को 57 प्रतिशत ह्यूमिडिटी के साथ 42 डिग्री सेल्सियस के संपर्क में रखा गया, जो 62 डिग्री सेल्सियस के ह्यूमिडेक्स या सच्चे अनुभव को दर्शाता है।

मोदी जी तुम संघर्ष करो... हम तुम्हारे साथ हैं, वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में उतरीं मुस्लिम महिलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में आज सरकार ने वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पेश किया है। कोई इस विधेयक के पक्ष में है तो कोई विपक्ष में है। सरकार को सदन में जेडीयू, टीडीपी और जेडीएस जैसे दलों का साथ मिला है। वहीं विपक्षी गठबंधन भी बिल के विरोध में लामबंद है। कांग्रेस ने विधेयक को संविधान के खिलाफ बताया। सपा का कहना है कि बिल का विरोध किया जाएगा।

भोपाल में पीएम मोदी के समर्थन में लगे नारे- विपक्ष के विरोध के बीच दिल्ली और मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से अलग तस्वीर सामने आई है। यहां मुस्लिम महिलाएं वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के समर्थन में उतरीं। भोपाल में बड़ी संख्या में प्रदर्शन कर रहीं मुस्लिम महिलाओं के हाथों में पीएम मोदी के समर्थन वाली तख्तियां थीं। इनमें पीएम मोदी को धन्यवाद दिया गया है। महिलाओं ने नारे लगाए कि मोदी जी तुम संघर्ष करो... हम तुम्हारे साथ हैं।

दिल्ली में भी महिलाओं ने किया समर्थन- दिल्ली में भी वक्फ विधेयक के समर्थन में मुस्लिम महिलाएं उतरीं। महिलाओं ने तख्तियां पकड़ रखी हैं। इनमें लिखा है कि वक्फ संपत्ति की आमदनी उसके हकदार तक पहुंचाने और वक्फ बोर्ड में महिलाओं व पिछड़े मुसलमानों की हिस्सेदारी देने के लिए मोदी जी का शुक्रिया।

पहले सास फिर बेटी समेत युवक ने की तीन लोगों की हत्या, खुद भी किया सुसाइड; पत्नी की इस हरकत से था परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक का चिकमंगलूर से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। 40 साल के एक शख्स ने आत्महत्या कर परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी। इन तीन लोगों में 7 साल की बेटी भी शामिल है। इस हादसे में एक शख्स भी घायल हुआ है।

आरोपी चिकमंगलुरु जिले के बालेहोन्नुर के पास किथलीकोंडा गांव का निवासी है। चिकमंगलुरु के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रम आमेट के अनुसार,आरोपी ने लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक विवाद के कारण यह कदम उठाया होगा।

दो साल से अलग रह रही थी पत्नी

आरोपी व्यक्ति की पत्नी वैवाहिक कलह के कारण पिछ्ले दो सालों से मंगलुरु में अलग रह रही थी। बालेहोन्नुर के पुलिस निरीक्षक एन रवीश ने इस मामले में कहा,ऐसा लगता है कि आरोपी की पत्नी के उसे छोड़कर चले जाने के बाद भावनात्मक संकट के कारण उसने यह घटना की।

बता दें कि मंगलवार को, जब बेटी स्कूल से लौटी, तो उसने अपने पिता से सहपाठियों द्वारा पूछताछ के बाद अपनी मां के ठिकाने के बारे में पूछा। इससे वह बहुत प्रभावित हुआ। गुस्से और निराशा से अभिभूत होकर वह रात करीब साढ़े नौ बजे अपनी पत्नी के घर गया और अपनी सास, साली और बेटी को गोली मार दी।

आरोपी ने रिकॉर्ड किया वीडियो- पुलिस ने बताया कि आत्महत्या से पहले आरोपी व्यक्ति ने एक सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने अपनी पत्नी के अलग रहने पर निराशा व्यक्त की थी। हमले के दौरान आरोपी व्यक्ति की भाभी के पति को भी गोली लगी, लेकिन वह बच गया। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। बालेहोन्नूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है। पुलिस ने इसको लेकर बताया अगर आपको सहायता की जरूरत है या आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसे सहायता की जरूरत है, तो कृपया अपने नजदीकी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से संपर्क करें।

साल 2026 के लिए H-1B वीजा का शुरुआती सेलेक्शन प्रोसेस खत्म, जिन भारतीयों का हुआ चयन, वो अब क्या करें?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2026 के लिए एच-1बी वीजा लॉटरी के लिए प्रारंभिक सेलेक्शन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। 31 मार्च को 85,000 की वार्षिक लिमिट पूरी हो चुकी है। बता दें कि एक साल में 65,000 एच-1बी जारी की जाती है। लॉटरी के जरिए सेलेक्शन प्रक्रिया पूरी की जाती है। इसके अलावा 20 हजार वीजा उन छात्रों को दिया जाता है, जिन्होंने अमेरिका के कॉलेज-यूनिवर्सिटी से डिग्री हासिल की है।

बता दें कि अमेरिका में नौकरी के लिए H-1B वीजा बेहद जरूरी होता है। अगर आप भी अमेरिका में नौकरी हासिल करना चाहते हैं, तो फिर आपको H-1B वीजा हासिल करने पर जोर देना चाहिए।

जिन लोगों ने लॉटरी अप्लाई की है वो अपने USCIS अकाउंट में जाकर ये देख सकते हैं कि उनका सेलेक्शन हुआ है या नहीं। USCIS ने आवश्यक कोटा पूरा करने के लिए उचित रूप से प्रस्तुत पंजीकरणों में से पर्याप्त लाभार्थियों का चयन किया है। अब जबकि प्रारंभिक चयन प्रक्रिया पूरी हो गई है वो चयनित लाभार्थी H-1B कैप-विषय याचिका दायर करने के लिए पात्र है।

H-1B वीजा रजिस्ट्रेशन के बारे में जरूरी बातें- आवेदकों को प्रत्येक लाभार्थी को इलेक्ट्रॉनिक रूप से रजिस्टर करने के लिए USCIS ऑनलाइन अकाउंट का इस्तेमाल करना होगा। प्रत्येक लाभार्थी के लिए 215 डॉलर (आज की करेंसी के हिसाब से 18,730.84 रुपये) H-1B रजिस्ट्रेशन फीस का भुगतान किया जाएगा। USCIS ने H-1B पंजीकरण शुल्क को प्रति लाभार्थी 10 डॉलर से बढ़ाकर 215 डॉलर किया है।

भरनी होती है बेसिक जानकारी- H-1B कर्मचारियों को रोजगार देने के इच्छुक संभावित याचिकाकर्ताओं को पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होती है। प्रत्येक वित्त वर्ष में प्रारंभिक पंजीकरण अवधि 14 दिनों तक चलती है। जिन लोगों ने चयनित पंजीकरण कराया होगा, केवल वे ही H-1B कैप-विषय याचिका दायर करने के पात्र होंगे।

कुपोषण के खिलाफ जंग में कारगर साबित हुई ये तकनीक, इस ऐप के जरिए Nutrition को कर सकते हैं ट्रैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुपोषण के खिलाफ सामूहिक प्रयास भारत में कुपोषण को समाप्त करने के लिए एकीकृत प्रयास की आवश्यकता को देखते हुए, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2018 में पोषण अभियान की शुरुआत की। यह अभियान समाज के सबसे कमजोर वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य और पोषण सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न हितधारकों को एकजुट करता है। 2022 में इस अभियान के दूसरे चरण को मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 नाम दिया गया। वर्तमान में यह मिशन देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 772 जिलों में लगभग 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

डिजिटल तकनीक से मजबूत हुआ पोषण अभियान- भारत में डिजिटल तकनीक का तेजी से विस्तार हो रहा है और सरकारी योजनाओं में इसका इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है। इसी दिशा में 2021 में पोषण ट्रैकर नामक एक डिजिटल ऐप लॉन्च किया गया, जिसने मैनुअल रिपोर्टिंग की जगह रियल टाइम निगरानी, रिपोर्टिंग और योजना निर्माण को आसान बनाया। यह ऐप आंगनवाड़ी केंद्रों को देश के डिजिटल इकोसिस्टम का हिस्सा बनाता है।

इस ऐप के जरिए अब बच्चों की वृद्धि दर और गर्भवती महिलाओं के पोषण स्तर की निगरानी संभव हो पाई है। गर्भवती महिलाओं के लिए बॉडी मास इंडेक्स की सुविधा और बच्चों की वृद्धि ट्रैकिंग वक्र की मदद से पोषण संबंधी जोखिम वाले मामलों की पहचान की जा सकती है। इसके अलावा, यह ऐप आंगनवाड़ी केंद्रों की अवस्थिति, पूर्व-विद्यालय उपस्थिति और बुनियादी ढांचे की जानकारी को भी रिकॉर्ड करता है।

आंगनवाड़ी सेवाओं तक पहुंच अब और आसान- पोषण ट्रैकर ऐप को समय-समय पर अपडेट किया जाता रहा है। हाल ही में इसमें लाभार्थी मॉड्यूल नामक एक नया इंटरफेस जोड़ा गया है, जिससे नागरिक खुद को नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र में पंजीकृत कर सकते हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

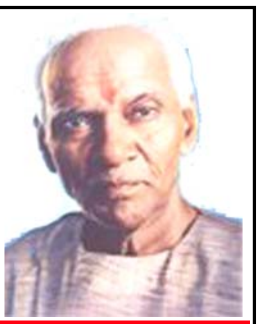

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

संपादकीय

सातत्य का आशय किसी भी गतिविधि की निरंतरता से होता...

सातत्य का आशय किसी भी गतिविधि की निरंतरता से होता 7 अगर हम अपने चहुंओर के परिवेश या खुद अपने शरीर की किसी भी गतिविधि या क्रियाकलाप का गहन सूक्ष्मता के साथ अवलोकन करें तो हम निश्चित रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि प्रत्येक गतिविधि दो सीमांत बिंदुओं %आरंभ% और %अंत% के बीच संचालित होती है। आरंभ और अंत के बीच का अंतराल कितना लंबा होगा, यह पूरी तरह से उस गतिविधि की निरंतरता या सातत्य पर निर्भर करता है। हम कल्पना कर सकते हैं कि हमने किसी नूतन लक्ष्य को केंद्रित करते हुए कोई क्रिया आरंभ की और बहुत कम समय के बाद ही किसी न किसी कारण से हमें उससे खत्म भी करना पड़ा। तब ऐसी दशा में हम अपने लक्ष्य को कभी प्राप्त नहीं कर पाएंगे, क्योंकि हमारे द्वारा क्रियान्वित की गई गतिविधि निरंतरता को प्राप्त नहीं कर पाई । दूसरे शब्दों में कहें तो निरंतरता किसी भी मंजिल या लक्ष्य तक पहुंचने के लिए एक अनिवार्य शर्त है । जब कभी और जहां कहीं निरंतरता खंडित होती है, संबंधित गतिविधि परिणाम के बजाय दुष्परिणाम का वरण कर लेती है। सातत्य या निरंतरता और सफलता के बीच एक नितांत गहरा संबंध है, बल्कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

इसका सर्वोत्तम उदाहरण प्रकृति है । प्रकृति के सभी मूलभूत घटक, उदाहरणार्थ- जल, वायु आदि सभी सातत्य के सिद्धांत का अनुसरण करते हैं। जल और हवा के बहाव में अगर सातत्य या निरंतरता न हो, तो निश्चित ही वे महत्त्वहीन हो जाएंगे। कलकल करती सरिता और शांत तड़ाग में निस्संदेह सततवाहिनी सरिता कहीं अधिक महत्त्व रखती है। इसका कारण केवल इतना है कि बहती हुई सरिता सदैव सातत्य के अंक में रहती है। ठहराव से उसका कोई संबंध नहीं होता। ऐसा नहीं है कि ठहराव आवश्यक नहीं है, लेकिन वह ठहराव लक्ष्य के पड़ाव तक पहुंचने के बाद ही होना चाहिए। नदी जब महासागर में विलीन हो जाती है, तभी उसका अस्तित्व अपनी यात्रा को पूरा करके ठहराव की दशा को प्राप्त कर पाता है।

जीवन की निरंतरता के बने रहने के लिए सांस में सातत्य का होना अनिवार्य है । सांस के असतत होने का सीधा सा अर्थ है- जीवन की मृत्यु में परिणति । जन्म और मृत्यु आत्मा की अनंत यात्रा के दो पड़ाव होते हैं। इन पड़ावों के बीच यानी जन्म से लेकर मृत्यु के बीच की सीमित यात्रा का नाम ही जीवन है। अब इस यात्रा की अवधि सातत्य के स्तर पर निर्भर करती है। यात्रा सातत्य से सिंचित होगी, तो निस्संदेह हम लंबे समय तक जीवन का आनंद भोगने में सफल रहेंगे। वहीं अगर यात्रा का सातत्य किसी भी कारण से खंडित हुआ तो मृत्यु के निकट आने में कोई भी विलंब नहीं होगा।

भौतिक और सांसारिक जीवन से परे इन विषयों से थोड़ा-सा संकुचित होकर केवल दैनिक जीवन, क्रियाकलापों और गतिविधियों पर ही केंद्रित रहा जाए तो भी सातत्य की महिमा कहीं न कहीं स्वयंसिद्ध है। सातत्य ही जीवन को सफल बनाने का एक मूल मंत्र है।

परिस्थितियों से बिना प्रभावित हुए अपने कार्य को निरंतरता के साथ करते रहना ही सातत्य है । जीवन का कोई भी ऐसा पहलू नहीं है जहां पर सातत्य के बिना सफलता का अर्जन किया जा सके, क्योंकि सफलता का कोई भी लघु मार्ग या सूत्र अभी तक उपलब्ध नहीं है। सफलता के लिए अथक परिश्रम की आवश्यकता होती ही है, जो केवल और केवल सातत्य के माध्यम से ही संभव है। जीवन में सातत्य का अनुसरण करने से व्यक्ति को लाभों का एक ऐसा पिटारा प्राप्त हो जाता है, जिसकी कल्पना संभवतः उसके द्वारा नहीं की गई होती है । सातत्य की प्रवृत्ति व्यक्ति को द्रुत गति से उसके लक्ष्य तक पहुंचाने में सहायक होती है। यह व्यक्तित्व को अद्भुत तरीके से निखार देता है।

शिवाजी राजे भोंसले

शिवाजी पश्चिमी भारत के मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे। शिवाजी के पिता का नाम शाहजी भोंसले और माता का नाम जीजाबाई था। सेनानायक के रूप में शिवाजी की महानता निर्विवाद रही है। शिवाजी ने अनेक क़िलों का निर्माण और पुनरुद्धार करवाया। उनके निर्देशानुसार सन 1679 ई. में अन्नाजी दत्तों ने एक विस्तृत भू-सर्वेक्षण करवाया, जिसके परिणामस्वरूप एक नया राजस्व निर्धारण हुआ।

जीवन परिचय

इनके पिताजी शाहजी भोंसले ने शिवाजी के जन्म के उपरान्त ही अपनी पत्नी जीजाबाई को प्रायः त्याग दिया था। उनका बचपन बहुत उपेक्षित रहा और वे सौतेली माँ के कारण बहुत दिनों तक पिता के संरक्षण से वंचित रहे। उनके पिता शूरवीर थे और अपनी दूसरी पत्नी तुकाबाई मोहिते पर आकर्षित थे। जीजाबाई उच्च कुल में उत्पन्न प्रतिभाशाली होते हुए भी तिरस्कृत जीवन जी रही थीं। जीजाबाई यादव वंश से थीं। उनके पिता एक शक्तिशाली और प्रभावशाली सामन्त थे। बालक शिवाजी का लालन-पालन उनके स्थानीय संरक्षक दादाजी कोंडदेव, जीजाबाई तथा समर्थ गुरु रामदास की देखरेख में हुआ।

आरंभिक जीवन

शिवाजी प्रभावशाली कुलीनों के वंशज थे। उस समय भारत पर मुस्लिम शासन था। उत्तरी भारत में मुग़लों तथा दक्षिण में बीजापुर और गोलकुंडा में मुस्लिम सुल्तानों का, ये तीनों ही अपनी शक्ति के ज़ोर पर शासन करते थे और प्रजा के प्रति कर्तव्य की भावना नहीं रखते थे। शिवाजी की पैतृक जायदाद बीजापुर के सुल्तान द्वारा शासित दक्कन में थी। उन्होंने मुस्लिमों द्वारा किए जा रहे दमन और धार्मिक उत्पीड़न को इतना असहनीय पाया कि 16 वर्ष की आयु तक पहुँचते-पहुँचते उन्हें विश्वास हो गया कि हिन्दुओं की मुक्ति के लिए ईश्वर ने उन्हें नियुक्त किया है। उनका यही विश्वास जीवन भर उनका मार्गदर्शन करता रहा। उनकी विधवा माता, जो स्वतंत्र विचारों वाली हिन्दू कुलीन महिला थी, ने जन्म से ही उन्हें दबे-कुचले हिंदुओं के अधिकारों के लिए लड़ने और मुस्लिम शासकों को उखाड़ फैंकने की शिक्षा दी थी।

शिवाजी और जयसिंह

शिवाजी को कुचलने के लिए राजा जयसिंह ने बीजापुर के सुल्तान से संधि कर पुरन्दर के क़िले को अधिकार में करने की अपने योजना के प्रथम चरण में 24 अप्रैल, 1665 ई. को व्रजगढ़ के क़िले पर अधिकार कर लिया। पुरन्दर के क़िले की रक्षा करते हुए शिवाजी का अत्यन्त वीर सेनानायक मुरार जी बाजी मारा गया। पुरन्दर के क़िले को बचा पाने में अपने को असमर्थ जानकर शिवाजी ने महाराजा जयसिंह से संधि की पेशकश की। दोनों नेता संधि की शर्तों पर सहमत हो गये और 22 जून, 1665 ई. को पुरन्दर की सन्धि सम्पन्न हुई।

आगरा यात्रा

अपनी सुरक्षा का पूर्ण आश्वासन प्राप्त कर शिवाजी आगरा के दरबार में औरंगज़ेब से मिलने के लिए तैयार हो गये। वह 9 मई, 1666 ई को अपने पुत्र शम्भाजी एवं 4000 मराठा सैनिकों के साथ मुग़ल दरबार में उपस्थित हुए, परन्तु औरंगज़ेब द्वारा उचित सम्मान न प्राप्त करने पर शिवाजी ने भरे हुए दरबार में औरंगज़ेब को विश्वासघाती कहा, जिसके परिणमस्वरूप औरंगज़ेब ने शिवाजी एवं उनके पुत्र को जयपुर भवन में क़ैद कर दिया। वहाँ से शिवाजी 13 अगस्त, 1666 ई को फलों की टोकरी में छिपकर फ़रार हो गये और 22 सितम्बर, 1666 ई. को रायगढ़ पहुँचे। कुछ दिन बाद शिवाजी ने मुग़ल सम्राट औरंगज़ेब को पत्र लिखकर कहा कि ÷यदि सम्राट उसे (शिवाजी) को क्षमा कर दें तो वह अपने पुत्र शम्भाजी को पुनः मुग़ल सेवा में भेज सकते हैं।÷ औरंगज़ेब ने शिवाजी की इन शर्तों को स्वीकार कर उसे राजा की उपाधि प्रदान की।

राज्याभिषेक

सन 1674 तक शिवाजी ने उन सारे प्रदेशों पर अधिकार कर लिया था, जो पुरन्दर की संधि के अन्तर्गत उन्हें मुग़लों को देने पड़े थे। पश्चिमी महाराष्ट्र में स्वतंत्र हिन्दू राष्ट्र की स्थापना के बाद शिवाजी ने अपना राज्याभिषेक करना चाहा, परन्तु ब्राह्मणों ने उनका घोर विरोध किया। शिवाजी के निजी सचिव बालाजी आव जी ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया और उन्होंने ने काशी में गंगाभ नामक एक ब्राह्मण के पास तीन दूतों को भेजा, किन्तु गंगाभ ने प्रस्ताव ठुकरा दिया, क्योंकि शिवाजी क्षत्रिय नहीं थे। उसने कहा कि क्षत्रियता का प्रमाण लाओ तभी वह राज्याभिषेक करेगा। बालाजी आव जी ने शिवाजी का सम्बन्ध मेवाड़ के सिसोदिया वंश से समबंद्ध के प्रमाण भेजे, जिससे संतुष्ट होकर वह रायगढ़ आया ओर उसने राज्याभिषेक किया।

शिवाजी भारत के महान् योद्धा एवं रणनीतिकार थे, जिन्होंने 1674 ई. में पश्चिम भारत में मराठा साम्राज्य की नींव रखी। उन्होंने कई वर्ष औरंगज़ेब के मुग़ल साम्राज्य से संघर्ष किया। सन 1674 में रायगढ़ में उनका राज्याभिषेक हुआ और वे छत्रपति बने। शिवाजी ने अपनी अनुशासित सेना एवं सुसंगठित प्रशासनिक इकाइयों की सहायता से एक योग्य एवं प्रगतिशील प्रशासन प्रदान किया। उन्होंने समर-विद्या में अनेक नवाचार किये तथा छापामार युद्ध की नयी शैली (शिवसूत्र) को विकसित किया। उन्होंने प्राचीन हिन्दू राजनैतिक प्रथाओं तथा दरबारी शिष्टाचारों को पुनर्जीवित किया और फ़ारसी के स्थान पर मराठी एवं संस्कृत को राजकाज की भाषा बनाया।

पिता द्वारा माता का त्याग

भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में बहुत-से लोगों ने शिवाजी के जीवन-चरित से प्रेरणा लेकर भारत की स्वतन्त्रता के लिये अपना तन, मन धन न्यौछावर कर दिया। शिवाजी के पिता शाहजी भोंसले ने शिवाजी के जन्म के उपरान्त ही अपनी पत्नी जीजाबाई को प्रायः त्याग दिया था। उनका बचपन बहुत उपेक्षित रहा और वे सौतेली माँ के कारण बहुत दिनों तक पिता के संरक्षण से वंचित रहे। उनके पिता शूरवीर थे और अपनी दूसरी पत्नी तुकाबाई मोहिते पर आकर्षित थे। जीजाबाई उच्च कुल में उत्पन्न प्रतिभाशाली होते हुए भी तिरस्कृत जीवन जी रही थीं।

पालन-पोषण

जीजाबाई यादव वंश से थीं। उनके पिता एक शक्तिशाली और प्रभावशाली सामन्त थे। बालक शिवाजी का लालन-पालन उनके स्थानीय संरक्षक दादाजी कोणदेव, जीजाबाई तथा समर्थ गुरु रामदास की देखरेख में हुआ। माता जीजाबाई तथा गुरु रामदास ने कोरे पुस्तकीय ज्ञान के प्रशिक्षण पर अधिक बल न देकर शिवाजी के मस्तिष्क में यह भावना भर दी थी कि देश, समाज, गौ तथा ब्राह्मणों को मुसलमानों के उत्पीड़न से मुक्त कराना उनका परम कर्तव्य है। शिवाजी स्थानीय लोगों के बीच रहकर शीघ्र ही उनमें अत्यधिक सर्वप्रिय हो गये। उनके साथ आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण करने से उनको स्थानीय दुर्गों और दरों की भली प्रकार व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त हो गयी। कुछ स्वामिभक्त लोगों का एक दल बनाकर उन्होंने उन्नीस वर्ष की आयु में पूना के निकट तोरण के दुर्ग पर अधिकार करके अपना जीवन-क्रम आरम्भ किया। उनके हृदय में स्वाधीनता की लौ जलती थी। उन्होंने कुछ स्वामिभक्त साथियों को संगठित किया। धीरे धीरे उनका विदेशी शासन की बेड़ियाँ तोड़ने का संकल्प प्रबल होता गया।

विवाह

शिवाजी का विवाह साइबाईं निम्बालकर के साथ सन 1641 में बंगलौर में हुआ था। उनके गुरु और संरक्षक कोणदेव की 1647 में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद शिवाजी ने स्वतंत्र रहने का निर्णय लिया। शिवाजी बचपन से ही उत्साही योद्धा थे, हालांकि इस वजह से उन्हें केवल औपचारिक शिक्षा दी गयी, जिसमें वे लिख पढ़ नहीं सकते थे; लेकिन फिर भी उनको सुनाई गई बातें उन्हें अच्छी तरह याद रहती थीं। शिवाजी ने मावल क्षेत्र से अपने विश्वस्त साथियों और सेना को इकट्ठा किया।

ट्रेन में कितने उम्र के बच्चों की टिकट होती है फ्री, देखें क्या कहता है नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेन आम आदमी के लिए मनपसंद यात्रा साधन है। क्योंकि रेलवे के जरिए आप कम पैसों में लंबी यात्रा कर सकते हैं। ज्यादातर लोग ट्रेन में परिवार के साथ यात्रा करते हैं। ऐसे में कन्फ्युजन रहती है कि क्या बच्चों के लिए भी टिकट खरीदनी पड़ती है।

रेलवे ने बच्चों की ट्रेन टिकट को लेकर अलग नियम बनाए हैं। कुछ उम्र तक बच्चों की टिकट फ्री होती है। वहीं कुछ उम्र के बच्चे के लिए आधी टिकट खरीदनी होती है। अगर आप इन नियमों का पालन नहीं करते हैं, तो आपको बड़े नुकसान का सामना करना पड़ता है।

कितने उम्र के बच्चे की टिकट है फ्री- 5 साल या उसे कम- रेलवे ने अलग-अलग उम्र के बच्चों के लिए टिकट के अलग नियम बनाए हैं। रेलवे के नियम के अनुसार अगर बच्चे की उम्र 5 साल या उससे कम हो तो टिकट फ्री मिल जाती है। वहीं माता-पिता बच्चों को गोद में बिठाकर भी सफर कर सकते हैं। लेकिन अगर आपको 5 साल से छोटे बच्चे के लिए अलग से सीट चाहिए, तो आधे टिकट के पैसे देने होंगे।

5 साल से अधिक- इसके साथ ही अगर बच्चे की उम्र 5 साल से 12 साल तक की तो ट्रेन की आधी टिकट के पैसे देने होते हैं। ये ध्यान रखे कि ये केवल बिना बर्थ वाली सीट के लिए ही लागू है। 12 साल से अधिक- अगर कोई बर्थ वाली टिकट बच्चे के लिए लेना चाहता है, तो उसे पूरे पैसे देने होते हैं। इसके साथ ही अगर बच्चे की उम्र 12 साल से अधिक होती है तो आपको पूरी टिकट के पैसे देने होते हैं।

बच्चे की टिकट पर भी लग सकता है जुर्माना- अगर आप 5 साल से बच्चे को लेकर ट्रेन में सफर कर रहे हैं। तो रेलवे के नियम के अनुसार आपको टिकट के पैसे नहीं देने पड़ते है। लेकिन बच्चे की उम्र को प्रूफ करने के लिए बर्थ सर्टिफिकेट का होना जरूरी है।

कितनी होता है ट्रेन की टिकट का दाम- ट्रेन की टिकट की कीमत लगभग 300 रुपये से शुरू हो जाती है। टिकट के दाम इस बात पर निर्भर करता है कि कौन-से डब्बे में बुक किया गया है। कितनी दूरी है और अन्य कई फैक्टर्स पर निर्भर करता है।

इस शेयर को खरीदने की लूट, रेखा झुनझुनवाला के पास कंपनी के 2 करोड़ शेयर, 174 है भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में शामिल डीबी रियल्टी के शेयर (वेलोर एस्टेट लिमिटेड) आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज कारोबार के दौरान 14ः तक चढ़ गए और 174.75 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए थे। पिछले एक साल में डीबी रियल्टी के शेयर के दाम 205 रुपये से गिरकर 174.75 रुपये पर आ गए। इस दौरान यह 15ः तक टूट गया।

रेखा झुनझुनवाला का है बड़ा दांव- कंपनी में रेखा झुनझुनवाला के पास बड़ी हिस्सेदारी है। रेखा झुनझुनवाला के दो आईडी से स्टेक है। एक से 1,00,00,000 शेयर खरीदे गए हैं। यह कंपनी में 1.86 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, दूसरी आईडी से कंपनी के 1,50,00,000 यानी 2.79 फीसदी हिस्सेदारी है। यानी कुल मिलाकर झुनझुनवाला के पास कंपनी के 25,000,000 शेयर हैं। यह कंपनी में कुल 4.65 फीसदी स्टेक के बराबर है।

कंपनी के शेयरों के हाल- डीबी रियल्टी के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 242.50 रुपये और 52 वीक का लो 115.25 रुपये है। इसका मार्केट कैप 9,226.61 करोड़ रुपये है। कंपनी के शेयर पिछले पांच दिन में 18% तक चढ़ गए। महीनेभर में 45ः तक चढ़ गया। पांच साल में यह शेयर 3600% से अधिक तक चढ़ गया।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम से कैसे मिलेंगे 10 हजार रुपये पेंशन? पूरी करनी होगी ये योग्यता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी कर्मचारियों को 1 अप्रैल के दिन बड़ा तोहफा मिला है। अब कर्मचारी यूनिफाइड पेंशन स्कीम का फायदा उठा सकते हैं। इसके स्कीम के तहत कर्मचारियों को 10 हजार रुपये पेंशन के रूप में मिलते हैं। लेकिन इसे लेकर कुछ शर्तें या पात्रता है, जिनका पूरा करना आवश्यक है।

वहीं सरकार कर्मचारियों को ये ऑप्शन देती है कि वे नई पेंशन स्कीम या यूनिफाइड पेंशन स्कीम में से किसी एक का उपयोग कर सकते हैं। इस स्कीम का उद्देश्य पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) और नई पेंशन स्कीम (एनपीएस) के बीच एक संतुलन बनाने का काम करेगी।

यूपीएस के जरिए प्रत्येक कर्मचारी की सैलरी का 10 फीसदी हिस्सा पेंशन में जमा होगा। वहीं सरकार भी अपनी तरफ से 18.5 फीसदी योगदान देगी।

इन शर्तों को पूरा करना है जरूरी- सबसे पहले हर एक कर्मचारी को अपनी बेसिक सैलरी का 10 फीसदी पेंशन के लिए देना होगा।

वहीं सरकार की ओर से इसमें 18.5 फीसदी योगदान दिया जाएगा।

इसके साथ ही कर्मचारी का कम से कम 10 साल काम करना जरूरी है।

वहीं अगर कोई कर्मचारी एफआर 56 के तहत बिना किसी दंड के रिटायर होता है, तो उसे पेंशन दी जाएगी।

इसके अलावा अगर आप 25 साल की नौकरी के बाद वॉलंटरी रिटायरमेंट भी लेते हैं, तो भी आप पेंशन का लाभ ले सकते हैं।

किन लोगों को नहीं मिलेगा लाभ- अगर आपने 10 साल से कम की नौकरी है।

किसी कर्मचारी को सर्विस से बर्खास्त कर दिया गया हो।

या किसी ने खुद से नौकरी छोड़ दी हो।

यूपीएस के तहत प्रत्येक कर्मचारी को रिटायरमेंट के बाद एकमुश्त पैसे मिलते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत बेसिक और डीए का 10 फीसदी पैसा पेंशन के रूप में दिया जाता है।

भारत के पास चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार, सीतारमण ने राज्यसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में बताया कि भारत 658.8 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला चौथा सबसे बड़ा देश है और यह देश के 11 महीनों के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए, उन्होंने सदस्यों को विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता घाटे पर उनकी चिंताओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा, 25 मार्च, 2025 तक कुल विदेशी मुद्रा भंडार 658.8 अरब डॉलर है। किसी भी देश के पास विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में हम चौथे सबसे बड़े देश हैं। इसका मतलब है कि हमारे पास विदेशी मुद्रा भंडार में जो राशि है, वह हमारे 11 महीने के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

वित्त मंत्री ने कहा, भले ही विदेशी मुद्रा भंडार में थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन आज स्थिति यह है कि हम अपने पास मौजूद विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चौथे सबसे बड़े देश हैं। चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद भारत विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चौथा सबसे बड़ा देश है।

भारतीय रुपये के मूल्य में गिरावट पर चिंतित सदस्य - इससे पहले, भारतीय रुपये के मूल्य में गिरावट पर सदस्यों की चिंताओं का जवाब देते हुए, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में स्थानीय मुद्रा मजबूत हुई है, जबकि दक्षिण कोरिया और यूनाइटेड किंगडम सहित कई अन्य देशों में इससे अधिक मूल्य हुआ है।

रतन टाटा ने अपने स्टाफ से लेकर कुत्ते के लिए छोड़े हैं इतने रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर 2024 को देश ने अपने सबसे बड़ा रतन खो दिया। जाने से पहले उन्होंने कुक से लेकर केयरटेकर के लिए करोड़ों रुपये रखे हैं। ताकि उन्हें किसी भी तरह की परेशानी ना हो। वहीं अपने कुत्ते की देखरेख के लिए 12 लाख रुपये छोड़कर गए हैं।

रतन टाटा का उद्योगपतियों में बड़ा नाम था। वहीं इतने सालों में उन्हें लोगों का काफी प्यार मिला। तबीयत लगातार बिगड़ने के चलते उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। लेकिन जाने से पहले भी उन्होंने अपनो को खयाल रखा। वहीं भविष्य में उन्हें किसी भी तरह की वित्तीय परेशानी ना हो, उसके लिए करोड़ों रुपये छोड़कर गए।

घरेलू नौकर - रतन टाटा ने जाते-जाते, अपने एग्जीक्यूटर्स को ये आदेश दिया कि उनके घरेलू नौकरों को इतने सालों से सेवा देने के बदले 15 लाख रुपये बांटे जाएं। वहीं टाटा के कपड़े गैर सरकारी संगठनों को दिए गए है। ताकि उन्हें गरीबों में बांटा जा सके। मीडिया रिपोर्ट की माने तो वे Brooks Brothers, Brioni, Hermes, Daks और Polo जैसे ब्रांड्स के कपड़े पहना करते थे। कुक- रतन टाटा के लिए कुक राजन शॉ लंबे समय से खाना बना रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजन शॉ को टाटा की तरफ से 1 करोड़ से अधिक मिले हैं। वहीं इसमें से 51 लाख रुपये का उधार माफ कर दिया है।

बटलर- वहीं बटलर सुब्बैया कोनार को 66 लाख रुपये मिले हैं। जिसमें से 36 लाख रुपये माफ कर दिए गए हैं।

सेक्रेटरी- रतन टाटा ने सेक्रेटरी दिलनाज गिल्डर को 10 लाख रुपये तक दिए हैं। इसके अलावा एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट शांतनु नायडू को पढ़ाई के लिए 1 करोड़ रुपये दिए थे। जिसे माफ कर दिया गया है।

ड्राइवर- रतन टाटा के ड्राइवर राजू लियोन को 1.5 लाख रुपये मिले हैं। वहीं उनका 18 लाख रुपये का उधार माफ कर दिया गया है।

इसके अलावा रतन टाटा ने दो सौतेली बहन, शीरीन जेजेभोय, डीना जेजेभोय, दोस्त मेहली मिस्त्री और टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी डेरियस खंबाटा को अपनी वसीयत का एग्जीक्यूटर बनाया है। वहीं इन सभी को इतने प्रयासों के लिए 5-5 लाख रुपये दिए गए हैं।

अपने कुत्ते के लिए छोड़े 12 लाख रुपये मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रतन टाटा ने अपने कुत्ते जर्मन शेयर्ड टीटो के लिए 12 लाख रुपये दिए हैं। ताकि उसकी देखरेख में कोई परेशानी ना हो। ये पैसे तीन महीने की 30 हजार रुपये की किस्त में रखे गए हैं।

500 के पार गया ज्वेलरी कंपनी का शेयर, 12% उछला भाव, आपका है दांव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को बाजार की रिकवरी के बीच कल्याण ज्वेलर्स के शेयर भी रॉकेट की तरह बढ़े। कल्याण ज्वेलर्स के शेयर में 12 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई और भाव 519.15 रुपये तक पहुंच गया। कारोबार के अंत में शेयर की कीमत 11.81% बढ़कर 512.10 रुपये पर थी। शेयर के 52 हफ्ते का हाई और लो क्रमशः 794.60 रुपये और 337 रुपये है। 2 जनवरी 2025 को इस शेयर की कीमत 52 हफ्ते के हाई यानी 794.60 रुपये पर थी।

कल्याण ज्वेलर्स के ट्रेडिंग वॉल्यूम में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है, जो निवेशकों की मजबूत रुचि और बाजार गतिविधि का संकेत देती है। बढ़ी हुई ट्रेडिंग वॉल्यूम बाजार में भागीदारी को दिखाता है। संभवतः संस्थागत निवेशकों या बड़े पैमाने पर शेयरों की खरीदारी की गई है। शेयर वर्तमान में कई प्रमुख इंडेक्स- NIFTY 500, NIFTY मिडकैप 100, निफ्टी 200, NIFTY मिडकैप 150, NIFTY मिडस्मॉलकैप 400, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी लार्जमिडकैप 250 और निफ्टी टोटल मार्केट शामिल हैं।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मप्र के 7.50 लाख कर्मचारियों के भत्तों में वृद्धि, 2850 से 10 हजार रुपये तक बढ़ेगा वेतन

भोपाल। वर्ष 2016 में सातवां वेतनमान लागू करने के नौ वर्ष बाद मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को अब परिवहन, गृह भाड़ा (हाउस रेंट अलाउंस/ एचआरए) बढ़ी हुई दर से मिलेगा। राज्य सरकार ने सातवें वेतनमान के अनुरूप भत्तों में वृद्धि की है। बता दें कि केंद्रीय कर्मचारियों के लिए भले ही आठवें वेतनमान का गठन करने की घोषणा हो चुकी है लेकिन मध्य प्रदेश में अब तक कर्मचारियों को छठे वेतनमान के अनुसार ही भत्तों का भुगतान किया जा रहा था।अब राज्य के साढ़े सात लाख कर्मचारियों को अप्रैल के वेतन के साथ जोड़कर सातवें वेतनमान के अनुरूप बढ़े हुए भत्तों का लाभ दिया जाएगा।

नई दरों के लागू होने से अनुमानित तौर पर प्रतिमाह चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के वेतन में 2850, तृतीय श्रेणी कर्मचारियों को पांच हजार और द्वितीय श्रेणी अधिकारियों को साढ़े सात हजार और प्रथम श्रेणी अधिकारियों को दस हजार रुपये न्यूनतम वृद्धि होगी।

मंगलवार को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कर्मचारियों के भत्ता बढ़ाए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि कर्मचारियों के भत्ते में वृद्धि से शासन पर वार्षिक 1500 करोड़ रुपये का वित्तीय भार आएगा।

राज्य सरकार का नवसंवत्सर में राज्य के कर्मचारियों को यह उपहार है। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य शासन के शासकीय सेवकों को वर्तमान में मिल रहे अलग-अलग भत्तों की भी पुनरीक्षण दरें लागू की गई हैं।

शासकीय सेवक की मृत्यु पर परिवार को 1.25 लाख रुपये मिलेगा अनुग्रह अनुदान

शासकीय सेवकों की मृत्यु पर परिवार को देय अनुग्रह अनुदान वर्तमान में निर्धारित पात्रता का 2.57 गुणक के आधार पर अधिकतम एक लाख 25 हजार रुपये तक दिया जाएगा। मंत्रालय भवन में संचालित वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली संचालनालय एवं राज्य सत्कार अधिकारी कार्यालय में पदस्थ शासकीय सेवकों को भी मंत्रालय के समकक्ष अधिकारियों के समतुल्य मंत्रालय भत्ता दिया जाएगा।छठे वेतनमान से दो गुना मिलेगा एचआरए

गृह भाड़ा भत्ते में 1.5 गुना की वृद्धि की गई है लेकिन यह सातवें वेतनमान में छठे की तुलना में लगभग दो गुना मिलेगा। इसकी वजह ये है कि ए श्रेणी के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों में सातवें वेतनमान में मूल वेतन का दस प्रतिशत एचआरए मिलेगा। बी श्रेणी यानी संभागीय मुख्यालय में सात प्रतिशत और सी व डी श्रेणी के तहसील, कस्बे या ग्रामीण क्षेत्र में पांच प्रतिशत की दर से एचआरए दिया जाएगा। ए श्रेणी के महानगरों में शासकीय सेवकों को ऐसे मिलेगा बढ़ा हुआ 10त्न एचआरए

प्रथम श्रेणी - 7000 से 10000 (पहले 35 सौ से पांच हजार)

द्वितीय श्रेणी - 6000 से 8000 (पहले तीन हजार से चार हजार)

तृतीय श्रेणी - 4000-- 6000 (पहले दो हजार से तीन हजार)

चतुर्थ श्रेणी - 2000-- 4000 (पहले एक हजार से दो हजार)

परिवहन भत्ता भी लगभग दो गुना हुआ

मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर मुख्यालयों पर पदस्थ तथा नगर निगमों की सीमा में निवासरत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के शासकीय सेवकों को 200 रुपये के स्थान पर 384 रुपये प्रतिमाह परिवहन भत्ता दिया जाएगा। वहीं निश्शक्त कर्मचारियों को 350 रुपये स्थान पर अब 671 रुपये प्रतिमाह भत्ता मिलेगा।

गुरुवार को पेश होगा भोपाल नगर निगम का बजट, निगमायुक्त के खिलाफ आ सकता है निंदा प्रस्ताव

भोपाल। भोपाल नगर निगम का वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट गुरुवार को पेश होगा। नगर निगम की परिषद का साधारण सम्मेलन सुबह 11 बजे से कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आइएसबीटी) स्थित परिषद सभागृह में आहूत किया गया है।

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी की अध्यक्षता में आहूत सम्मेलन में कार्यसूची में सम्मिलित विषयों पर चर्चा की जाएगी। महापौर मालती राय द्वारा वर्ष 2025-26 के प्रस्तावित बजट और वर्ष 2024-25 का पुनरीक्षित बजट सदन के विचारार्थ और अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जाएगा। इस बजट बैठक से पहले बुधवार शाम को भाजपा और कांग्रेस पार्षद दल बैठक हुई। दोनों ही राजनीतिक पार्टी के नेताओं ने बजट बैठक को लेकर रणनीति फाइनल की। बैठक में जहां निगमायुक्त हरेंद्र नारायन के खिलाफ निंदा प्रस्ताव आ सकता है।

कांग्रेस टैक्स वृद्धि का करेगी विरोध

कांग्रेस पार्षद टैक्स वृद्धि को लेकर महापौर को घेरने की तैयारी कर चुके हैं। जानकारी के अनुसार संपत्तिकर में 10 प्रतिशत और जलकर व सीवेज में 15 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी बजट बैठक में हंगामा का कारण बनेगी। अब देखना यह है कि क्या विपक्ष टैक्स में वृद्धि को रोक पाती है या नहीं।

भाजपा और कांग्रेस पार्षद मिलकर निगमायुक्त के अड़ियल रवैया को लेकर खासे नाराज है। लिहाजा उनके खिलाफ भाजपा और कांग्रेस पार्षद निंदा प्रस्ताव लाने की मांग करेंगे।

मकान बनाने का सपना पूरा करने के लिए बेच रहा था स्मैक, हत्या के मामले में 7 साल की कैद काटकर लौटा था

शिवपुरी। देहात थाना पुलिस ने मंगलवार को एक युवक को सात लाख रुपये की स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित ने पूछताछ में पुलिस को बताया है कि वह कुछ समय पहले ही हत्या के मामले में जेल से सजा पूरी करके आया है। अपने मकान का सपना पूरा करने के लिए स्मैक बेचने लगा। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार देहात थाना प्रभारी रत्नेश यादव को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक हवाई पट्टी स्थित नर्सरी के पास स्मैक बेचने की फिराक में खड़ा हुआ है।

उक्त सूचना पर टीआई ने एसआई सपना रावत, एएसआई केदार सिंह व प्रआर दीपचंद, विनय सिंह, सुनील भार्गव, आदेश धाकड़ आदि को मुखबिर के बताए गए स्थान पर दबिश देने के लिए भेजा।

पुलिस को बताए गए स्थान पर एक युवक खड़ा मिला।पुलिस ने जब उससे पूछताछ में उसकी पहचान निरपत रावत पुत्र धरमू रावत उम्र 47 साल निवासी बिलोकलां हाल रातौर रोड फतेहपुर थाना कोतवाली के रूप में की गई।

पुलिस ने जब आरोपित से सुनसान क्षेत्र में खड़े होने का कारण पूछा तो वह उचित जबाव नहीं दे पाया।

इस पर पुलिस ने उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपित के पास 7 लाख 20 हजार रुपये मूल्य की 36.32 ग्राम स्मैक बरामद की गई।पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आपराधिक प्रकरण कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

कार रोककर परिवार को उतारा और मंदसौर के डॉक्टर को साथ ले गए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर में बुधवार सुबह 11 बजे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो प्रतापगढ़ के अधिकारी और कर्मचारी डॉ. डीडी संगतानी को कार सहित ले गए। शहर के कैलाश मार्ग पर उनकी कार (एमपी 09 डीयू 4509) को रोका गया था। इसके बाद उन्हें साथ में ले गए। इधर परिवार वालों ने उनके अपहरण का आरोप लगाया।

मंदसौर एसपी अभिषेक आनंद परिवार वालों से चर्चा कर रहे हैं। सिंधी समाजजन पुलिस कंट्रोल रूम पर पहुंच रहे हैं। जानकारी के मुताबिक डॉ. संगतानी अपने परिवार के साथ नालछा माता मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे।इसी दौरान रास्ते में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारियों ने उनकी कार को रोक लिया। महिलाओं सहित अन्य लोगों को गाड़ी से उतरने को कहा। इसके बाद डॉक्टर को कार सहित अपने साथ में ले गए। इस घटना के बाद परिवार के लोग बुरी तरह घबरा गए थे। उन्होंने डॉक्टर को किडनैप करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। इधर... अफीम तस्कर को चार वर्ष का सश्रम कारावासअतिरिक्त विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट ने अफीम की तस्करी करने के मामले में एक आरोपित को चार वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही 25 हजार रुपये का जुर्माना भी किया है। अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा ने बताया कि 3 जून 2017 को मल्हारगढ़ थाने में पदस्थ सउनि नवनीत गोस्वामी ने महू-नीमच राजमार्ग पर नई कृषि मंडी के वहां नाकाबंदी की।

इंदौर जिले में जंक फूड, स्ट्रीट फूड एवं फास्ट फूड की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

खाद्य प्रतिष्ठानों के संचालकों को खाद्य सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर दिया गया प्रशिक्षण

इंदौर। मध्यप्रदेश में विभिन्न स्थानों पर विक्रय किए जाने वाले जंक फूड, स्ट्रीट फूड एवं फास्ट फूड की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयुक्त खाद्य सुरक्षा श्री संदीप यादव के निर्देशानुसार एक माह तक व्यापक स्तर पर निरीक्षण, जाँच, प्रशिक्षण एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन इंदौर द्वारा 1 अप्रैल 2025 को रजत जयंती काम्पलेक्स, स्कीम नं. 54 स्थित चौपाटी पर खाद्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि रजत जयंती काम्पलेक्स चौपाटी ने ख़स्स्ढ़ के ईट राइट चैलेंज-4 के तहत 'ईट राइट स्ट्रीट फूड हब' प्रमाणन के लिए आवेदन भी किया है।

इस अवसर पर चौपाटी स्थित प्रतिष्ठानों के संचालकों को खाद्य सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। जिनमें मुख्यत- परिसर की स्वच्छता सुनिश्चित करना, खाद्य पदार्थों को ढककर रखना एवं जल्दी खराब होने वाले खाद्य पदार्थों को 4एष्ट से कम तापमान पर संरक्षित करना, मोनोसोडियम ग्लूटामेट (स्ब्स्त), खाद्य रंग, फ्लेवर एवं आर्टिफिशियल स्वीटनर का सीमित एवं सुरक्षित उपयोग, कच्चे माल एवं तैयार खाद्य पदार्थों की समय-समय पर जाँच करना, ग्राहकों की शिकायतों एवं सुझावों पर त्वरित कार्रवाई करना आदि शामिल हैं।

जंक फूड एवं खाद्य एडिटिव्स के अधिक उपयोग के नुकसान- विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि जंक फूड एवं फास्ट फूड में अत्यधिक फूड एडिटिव्स, आर्टिफिशियल फ्लेवर एवं प्रिज़र्वेटिव्स का अनियंत्रित उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इनमें स्ब्स्त, सिंथेटिक रंग, आर्टिफिशियल स्वीटनर एवं ट्रांस फैट शामिल होते हैं, जो मोटापा एवं हृदय रोग को बढ़ावा देते हैं। पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं और गैस्ट्रिक समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। एलर्जी एवं हाइपरएक्टिविटी जैसी समस्याओं का कारण बन सकते हैं, विशेषकर बच्चों में। लंबे समय तक अत्यधिक सेवन से कैंसर एवं अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसके अतिरिक्त मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की सहायता से खाद्य पदार्थों की त्वरित जाँच एवं प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर लिए गए रॉ मटेरियल एवं तैयार खाद्य पदार्थों के नमूनों की जाँच में कोई मिलावट नहीं पाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों ने खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प लिया।

उत्कृष्ट सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ ऊर्जोत्सव 2K25 का हुआ भव्य समापन

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर ने अपने प्रतिष्ठित वार्षिक महोत्सव ऊर्जोत्सव 2K25 का भव्य और सफल आयोजन किया। यह आयोजन छात्रों की प्रतिभा, नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने का सशक्त मंच बना। वरिष्ठ निदेशक डॉ. मनोजकुमार देशपांडे के मार्गदर्शन में, संस्थान का परिसर सांस्कृतिक, तकनीकी और खेल गतिविधियों की ऊर्जा से भर उठा।

तकनीकी उत्कृष्टता का प्रदर्शन- तकनीकी उत्सव, जिसका नेतृत्व डॉ. चारू वी. वर्मा ने किया, में कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं और तकनीकी सत्रों की एक समृद्ध श्रृंखला प्रस्तुत की गई। इन आयोजनों का उद्देश्य छात्रों की तकनीकी दक्षता को बढ़ाना और उन्हें नवीनतम तकनीकी प्रवृत्तियों से अवगत कराना था।

सांस्कृतिक समागम का जादू- प्रो. कीर्ति पटवर्धन के नेतृत्व में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव में छात्रों को अपनी कलात्मक और रचनात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। ऊर्जोत्सव 2K25 के तहत विभिन्न सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया गया।

कॉलेज संगीत प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें एसकेआईटीएम, पीआईएमआर-यूजी, ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, संस्कार कॉलेज, सिका कॉलेज, अरबिंदो कॉलेज और गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, श्योपुर के प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा।

सड़कों पर बसें खड़ी कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा पिछले दिनों ली गई बस संचालकों की बैठक में दी गई हिदायतों के बावजूद भी सड़कों पर बस खड़ी कर यातायात बाधित करने वालों के विरूद्ध आज अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की गई। अभियान के तहत सड़क पर बस खड़ी पायी जाने पर 7 बसों को जप्त किया गया।

बसों को जप्त करने की यह कार्रवाई जिला प्रशासन, आरटीओ तथा यातायात पुलिस के संयुक्त अमले द्वारा की गई। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि विगत दिनों समस्त बस ऑपरेटरों की एक बैठक में इंदौर शहर में रोड़ पर दोनों ओर अवैध रूप से बसों को खड़ा किया जाने से यातायात अवरूद्ध होकर जाम की स्थिति निर्मित होने पर अप्रसन्नता जाहिर की गई थी। समस्त बस ऑपरेटरों को उनकी बसों को निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही पार्क करने हेतु निर्देश दिये गये थे। इस संबंध में समस्त बस ऑपरेटरों को पूर्व में कई बार बैठक की जाकर निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही अपनी बसों को खड़ा करने के निर्देश दिये गये थे। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप कुमार शर्मा, एआरटीओ श्री राजेश गुप्ता, तहसीलदार जूनी इंदौर, ट्राफिक टी.आई. अमिता सिंह, परिवहन निरीक्षक श्री जितेन्द्र गुर्जर द्वारा कार्यालय के विशेष जांच दल के साथ संयुक्त रूप से रिंग रोड एवं तीन ईमली पर आकस्मिक चैकिंग की गई।

स्कूल चलें हम अभियान के तहत मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों को तिलक और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया

इंदौर। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय देवझिरी पंडा में स्कूल चलें हम अभियान के तहत बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और हमें उन्हें बेहतर शिक्षा देकर एक सशक्त नागरिक बनाने की जिम्मेदारी उठानी होगी।

सुश्री भूरिया ने कहा कि स्कूल चलें हम अभियान से न केवल बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत हुई है। उन्होंने विद्यालय की दीवारों पर बच्चों के जनरल नॉलेज को बढ़ाने वाले चित्र एवं भारत का नक्शा अंकित करने के निर्देश दिये। मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया और व्यवस्थाओं की सराहना की।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा ने बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नियमित अध्ययन और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय में टॉपर्स की सूची नोटिस-बोर्ड में लगायी जाये, जिससे विद्यार्थी प्रेरित हो सकें। इस अवसर पर कक्षा-1 से 8 तक के विद्यार्थियों को एनसीईआरटी की पाठ्य-पुस्तकें, स्कूल बैग एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गयी।

इंदौर जिले में सीएसआर फंड से होंगे करोड़ों के विकास कार्य

कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रस्तावों को दिया गया अंतिम रूप

इंदौर। इंदौर जिले में सीएसआर फंड से करोड़ों रुपये लागत के विकास कार्य करवायेंगे जायेंगे। इसके लिए 11 विभागों द्वारा प्रस्ताव तैयार कर लिये गये है। नगर निगम सहित अन्य विभागों द्वारा भी प्रस्ताव तैयार किये जा रहे हैं। अभी तक 11 विभागों से प्राप्त प्रस्तावों को आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में अंतिम रूप दिया गया। उक्त प्रस्ताव मंजूरी के लिए सीएसआर फंड तहत गठित राज्य स्तरीय समिति को भेजे जायेंगे। इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि हमारा प्रयास है कि सीएसआर फंड के माध्यम से जिले में अधिक से अधिक विकास कार्य करवायें जाये। इस राशि का उपयोग ऐसे विकास कार्यों में किया जायेगा, जिनके लिये विभागीय मद से बजट नहीं मिलता है। बताया गया कि अभी तक जिला शिक्षा केन्द्र, सामाजिक न्याय, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आयुष विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग, जिला पंचायत सहित अन्य विभागों ने अपने प्रस्ताव दिये है। शिक्षा विभाग ने स्कूलों एवं छात्रावास भवनों की मरम्मत आदि के प्रस्ताव दिये है। इसी तरह सामाजिक न्याय विभाग ने कुष्ठ रोगियों के लिए संचालित आश्रम/आवास के नवीन भवन के निर्माण तथा विभागीय संस्थाओं के भवनों के जीर्णोद्धार, होम गार्ड ने आपदा प्रबंधन उपकरणों, रेस्क्यू वाहनों, शैड निर्माण, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण विभाग ने छात्रावासों में लाईब्रेरी स्थापना, गद्दे/पलंग/कम्बल क्रय, खेल सामग्री, सौलर पेनल, वाटर कूलर, आयुष विभाग ने आयुष औषधालयों के लिए पंच कर्म टेबल और अन्य आवश्यक उपकरण एवं मशीनें, महिला एवं बाल विकास विभाग ने आंगवाड़ी भवनों की मरम्मत, राजकीय बाल आश्रम में सौलर पेनल, नये किचन के निर्माण, नया डायनिंग हॉल, ऑफ्टर केयर सेंटर के ऐसे निराश्रित युवा जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक हो गई है।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उज्जैन, से प्रकाशित
संपादक मंडल
श्री संजय ज्ञानी – संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास – संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य – कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा – उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय – विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव – विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे – ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर – संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर – संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास बैरागी – विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

जल गंगा संवर्धन अभियान जल से है जीवन

उज्जैन । विगत 30 मार्च से प्रारंभ हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान जल संचय में जन सहभागिता की अभिनव पहल के रुप में संपूर्ण जिले में संचालित किया जा रहा है। यह अभियान आगामी 30 जून तक चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों में स्थित प्राचीन जलाशयों की सफाई व जिर्णोद्धार,जलाशयों के समीप पौधारोपण, छोटी नदियों तालाब व अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण के कार्य किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत कई प्राचीन बावडियों का भी कायाकल्प हो रहा है। इसी कडी में गत दिनों जनपद पंचायत उज्जैन कि ग्राम पंचायत सिकंदरी, में स्थित प्राचीन बावडी, ग्राम पंचायत चिंतामन जवासीया में स्थित अत्यंत प्राचीन लक्ष्मण बावडी, ग्राम पंचायत हासामपुरा में स्थित प्राचीन बावडी, ग्राम पंचायत ताजपुर में प्राचीन बावडी की साफ सफाई कर उनका कायाकल्प किया गया । इसमें आम जन ने सहभागिता कर बावडी की साफ सफाई की और साथ ही पंचायत में स्थित देवालयो की भी साफ सफाई की ।

इसके साथ ही ग्राम पंचायत बोलासा और ग्राम पंचायत सीकंदरी में स्थित क्षिप्रा नदी के घाटों की भी साफ सफाई कर उनका रंग रोगन भी किया गया ।

जनपद पंचायत महीदपुर की ग्राम पंचायत इंदोख,ग्राम पंचायत धुलेट में घाटो की साफ सफाई की गई। ग्राम पंचायत लोटियाजुर्नादा में तालाब में से गाद निकालने का कार्य किया गया। ग्राम पंचायत टीपुखेडा और गोगाखेडा में प्राचीन बावडीयों की सफाई जनभागीदारी से की गई, जिसमें बड चडकर स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। ग्राम पंचायत कढ़ाई में तालाब मरम्मत और साफ सफाई का कार्य किया गया। ग्राम पंचायत नागपूरा में सामुदायिक कूप की साफ-सफाई स्थानीय नागरीकों के द्वारा की गई।

जनपद पंचायत तराना की ग्राम पंचायतों में जन जागरुकता हेतु जल गंगा सवर्धन अभियान के अंतर्गत दीवार लेखन कार्य किया गया तथा सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलवाई गई । जल गंगा संवर्धन अभियान कें अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल कलश यात्रा भी निकाली गई।

जनपद पंचायत बड़नगर की ग्राम पंचायत गजनिखेडी में प्राचीन बावडी की साफ-सफाई की गई। इसमें सीईओ जनपद पंचायत बड़नगर, जिला समनवयक एसबीएम अतीरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ,जनपद सदस्य ,सरपंच ,सचिव एवं अन्य ग्रामीण जन मौजूद थे। जनपद पंचायत घट्टिया में ग्रामपंचायत पानबिहार,ग्राम पंचायत बीरमखेडी ,ग्राम पंचायत किठोडाजागीर, ग्रामपंचायत रुदाहेडा , ग्राम पंचायत रणजी व कलेसर में जल कलश यात्रा का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत कालीयादेह में घाट की साफ-सफाई की गई। ग्राम रलायता में प्राचीन बावडी का गहरीकरण कार्य प्रारंभ किया गया।

टेपा सम्मेलन में एहसान कुरैशी, जानी बैरागी और कवियों ने अपनी रचनाओं से खूब हंसाया

उज्जैन। अंतरराष्टीय मूर्ख दिवस पर एक अप्रैल को कालिदास अकादमी में 52 वें अखिल भारतीय टेपा सम्मलेन में जाने माने हास्य अभिनेता एहसान कुरैशी ने अपनी प्रस्तुति से श्रोता दर्शकों को खूब हंसाया। कांव कांव सम्मलेन में हास्य कवि जानी बैरागी, गौरव शर्मा ने खूब ठहाके लगवाए। साढ़े तीन घंटे से अधिक चले टेपा सम्मलेन में वार्षिक टेपा रपट पढ़ते हुए सुमेध सिंह शर्मा ने कहा कि महाकवि कालिदास आदि टेपा रहे हैं क्योंकि जिस डाल पर बैठते थे उसे ही काटते थे। टेपाओं की अपील है कि सभी महिलाओं का सम्मान करें क्योंकि महाकवि कालिदास हों या तुलसीदास सभी को उनकी पत्नी ने ही महान बनने के लिए प्रेरित किया। आज टेपाओं का राज पूरे विश्व में है और दुनिया का सबसे बड़ा टेपा डोनाल्ड ट्रम्प है जो सब पर अपनी शर्तें थोपने में लगे हैं।

टेपा के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. शिव शर्मा एवं प्रख्यात समाजसेवी स्व. लाला अमरनाथ जी की स्मृति को समर्पित, टेपोत्सव में टेपा अतिथियों को वीवीआईपी वेषभूषा, गले में टाई और मालवी टेपा मुकुट पहनाई गयी थी। टेपा सम्मलेन की अध्यक्षता पूर्व सांसद सज्जनसिंह वर्मा ने की। टेपा प्रमुख अतिथि सभापति कलावती यादव थीं। टेपा चिल्मी मुकदमा पूर्व केबिनेट मंत्री सज्जन वर्मा पर अशोक भाटी द्वारा चलाया गया जिसका रोचक अंदाज में जवाब दिया गया। विक्रम विवि कार्यपरिषद के सदस्य राजेशसिंह कुशवाह एवं सभापति कलावती यादव पर, प्रशस्ति वाचन दिनेश दिग्गज ने किया। वरिष्ठ अधिवक्ता मुरारीलाल पाठक पर प्रशस्ति वाचन डॉ. हरीशकुमार सिंह द्वारा किया गया। राजनेता संजय अग्रवाल, मुकेश भाटी, पत्रकार दीपक चौरसिया पर प्रशस्ति वाचन अशोक भाटी ने कर उन्हें टेपा उपाधियाँ प्रदान की।

उज्जैन के बगलामुखी में यज्ञ पूर्णाहुति पर 1100 बटुक, संतों व हजारों भक्त शामिल

उज्जैन। उज्जैन के भैरवगढ़ रोड स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर धाम में चल रहे पांच दिनी शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति बुधवार को की गई। इस अवसर पर 1100 बटुक, समस्त अखाड़ों के साधु-संत, महंत एवं हजारों भक्त शामिल हुए।

भर्तृहरि गुफा के महंत योगी पीर श्री रामनाथ जी महाराज के सानिध्य में यह अनुष्ठान जनकल्याण की कामना से किया गया। इस अवसर पर बगलामुखी मंदिर का प्रतिष्ठा दिवस महापर्व भी मनाया गया।

शहर कांग्रेस ने फूके मुख्य मंत्री के तीन पुतले

उज्जैन। शहर कांग्रेस कार्यालय क्षीर सागर पर सुबह से ही पुलिस ने डेरा डाल दिया था,, पुतले फूकने में जबरदस्त झड़प बाजी हुई,, और शहर कांग्रेस ने लगातार तीन पुतले फूक डाले, विधायक महेश परमार,, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी,, के नेतृत्व सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में नारेबाजी कर पुतले जलाए, एक कार्यकर्ता मुकुल घूरिया को कोतवाली पुलिस पकड़ कर कोतवाली थाना ले गई, साथ ही एक नाबालिग को भी पकड़ा, कोंग्रेसियो को खबर लगते ही विधायक महेश परमार शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी नेता प्रति पक्ष रवि राय,, मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान महामंत्री किसान नेट उदित राज साहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कोतवाली थाने पहुंचे,, और थाने के बाहर ही जम कर बैठ गए,,तकरीबन 2 घंटे धरने के पश्चात् सभी नेता कोठी पहुंचकर अपने कार्यकर्ता को छुड़ाने में सफल हुवे,, इस प्रदेश स्तरीय पूतला दहन में शहर कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, श्रीमती माया राजेश त्रिवेदी वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजित सिंह ठाकुर,, चेतन यादव,, चंद्र भान सिंह चंदेल,, बिनु कुशवाह,, पार्षद सपना सांखला,, मोहित जयसवाल,, छोटेलाल मंडलोई, परमानंद मालवीय, अर्पित दुबे, पार्षद जाहिद पहलवान,, चंद्र भान सिंह चंदेल,, अनवर नागोरी,, फिरोज़ पठान,, जिसमे ब्लॉक अध्यक्ष अभीषेक शर्मा लाला,, विरेन्द्र गोसर,, रमेश परिहार,, ललित मीणा,,सतीश मरमट,, श्रवण शर्मा,, राजेश राणा,, पूर्व पार्षद राजेंद्र राठौर,,वासु देव रावल चैन सिंह चौधरी,, कुलदीप जाट,,संचीत शर्मा, अर्पण राठोर,, असरार मामू,, सलीम भाई गैस वाले,, रफीक भाई टेंपो,, दीपेश जैन, बबलू खींची,, लकी ठाकुर,, कपील सहगल,, असलम चुड़ी वाले,, असरार मामू,, शिव लश्करी,, ओम प्रकाश रामी,, लक्ष्मी नारायण उपाध्याय, हर्ष वर्धन यादव, विक्रम सिंह पटेल,, पंडीत राजेश त्रिवेदी,, अर्पित यादव, श्याम जटिया, चुन्नी लाल धेर्या , देवीलाल लोहारिया,,अनील चौहान,, संजय आंजना,, आलम लाला,,शहनवाज खान, रमेश सांखला,, प्रकाश सोलंकी,, हुकमा पहलवान,, आदित्य नामदेव,, महिला कांग्रेसअध्यक्ष सोनीया ठाकुर आदि।

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर विशेष परिसंवाद का आयोजन

विक्रम विश्वविद्यालय में विशेष परिसंवाद का आयोजन

उज्जैन। पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर विशेष परिसंवाद आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज कुलगुरु ने कहा कि जीवन और स्वास्थ्य में असली ताकत हमारी विविधता में है। प्रत्येक मस्तिष्क अलग होता है, हर सोच अनोखी होती है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

दुनियाभर में हर साल 2 अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को इस न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर के बारे में जागरूक करना है ताकि समाज में ऑटिज्म से प्रभावित लोगों के जीवन को बेहतर बनाया जा सके और वे समाज में एक सम्मानजनक जीवन जी सकें।

संयुक्त राष्ट संघ द्वारा घोषित इस दिन के प्रसंग में प्रो. डा. अर्पण भारद्वाज कुलगुरु ने पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान के निदेशक, स्टाफ और विद्यार्थियों को इस प्रकार के आयोजन पर हार्दिक बधाई दी और इसे सामाजिक सरोकारों की दिशा में एक अनुकरणीय पहल बताया।इस वर्ष न्यूरोडाइवर्सिटी और संयुक्त राष्ट सतत विकास लक्ष्य को आगे बढ़ाना थीम पर केंद्रित इस विशेष परिसंवाद में समावेशी स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार के अवसर, असमानताओं को कम करने और ऑटिज़्म-फ्रेंडली शहरी विकास पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता, निदेशक, पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान ने मीडिया रिपोर्ट्स के संदर्भ में कहा कि ऑटिज्म के चार प्रकार होते हैं- एस्परगर सिंड्रोम, चाइल्डहुड डिसइंटीग्रेटिव डिसऑर्डर, ऑटिज्म, और पर्वेसिव डेवलपमेंटल डिसऑर्डर। पेडियाट्रिक जर्नल्स में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, दुनिया भर में कई युवा और बच्चे ऑटिज्म से प्रभावित हैं। भारत में लड़कों की संख्या लड़कियों की तुलना में तीन गुना ज्यादा है। ऑटिज्म एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है, जो बचपन में शुरू होती है और इसमें व्यक्ति के वर्बल या नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन, इमेजिनेशन और सोशल इंटरेक्शन पर बुरा असर पड़ता है।

इससे पीड़ित व्यक्ति को बातें समझने में कठिनाई होती है, वे शब्दों को समझ नहीं पाते, आंखों में आंखें डालकर बात नहीं कर पाते और उनका बर्ताव अन्य लोगों से अलग होता है। ऐसे में उन्हें संवेदनशीलता और स्वीकृति देना हमारा मानव धर्म है।

मातृ शक्ति ने होली एवं हिंदू नव वर्ष पर मिलन समारोह का आयोजन किया

उज्जैन। अंकपत मार्ग स्थित गोपाल धाम आश्रम पर महिला मातृ शक्ति द्वारा होली एवम हिंदू नववर्ष के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण एवम दीप प्रज्वलित कर की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में मातृ शक्ति महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती निशा त्रिपाठी एवं श्रीमती टीना यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती अर्पिता सक्सेना द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की गई।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com